(तृतीय सेमेस्टर)
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2022-2023
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST

कोर्स शीर्षक : संस्कृत नाटक
Course Title :

कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-107
Course Code : MAST-107

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित श्लोकों की हिन्दी में व्याख्या कीजिए – 6

i. क) यदि न सहसे राज्ञो मोहं धनुः स्पृश मा दया
स्वजननिभृतः सर्वोप्येवं मृदुः परिभूयते।
अथ न रूचितं मुञ्च त्वं मामहं कृतनिश्चयो
युवतिरहितं लोकं कर्तुं यतश्छलिया वयम्।।

ख) महासारप्रसवयोः सदृशक्षमयोर्द्वयोः।
धारिणीभूतधारिण्योर्भव भर्ता शरच्छतम्।।

प्रश्न–2 नाटककार भट्टनारायण एवं वेणीसंहार नाटक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न–3 मालविकाग्निमित्र नाटक राजनीतिक/ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित है, प्रमाणित कीजिए।

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

प्रश्न– 4 निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 6

क) सकलरिपुजयाशा यत्र बद्धा सुतैस्ते
तृणमिव परिभूतो यस्य गर्वेण लोकः।
रणशिरसि निहन्ता तस्य राधासुतस्य
प्रणमति पितरौ वां मध्यमः पाण्डवोऽयम्।।

ख) दीर्घाक्षं शरदिन्दुकान्तिवदनं बाहु नतावंसयोः
संक्षिप्तं निबिडोन्नतस्तनमरः पार्श्वे प्रमृष्टे इव।
मध्यः पाणिमितो नितम्बि जघनं पादावरालाड्.गुली
छन्दो नर्ततितुर्यथव मनसि श्लिष्टं तथास्या वपु।।2

प्रश्न–5 प्रतिमानाटक के आधार पर राम या सीता का चरित्र–चित्रण कीजिए। 2

प्रश्न–6 महाकवि भास की शैली पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–7 मालविकाग्निमित्र नाटक के आधार पर अग्निमित्र या मालविका का संक्षिप्त चरित्र–चित्रण कीजिए। 2

प्रश्न–8 वेणीसंहार नाटक के नायक, प्रतिनायक तथा नायिका के योगदान पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–9 अधोलिखित श्लोक की हिन्दी में व्याख्या करें– 2

मेरुश्चलन्निव युगक्षयसन्निकर्षे
शोषं व्रजन्निव महोदधिरप्रमेयः।
सूर्यः पतन्निव च मण्डलमात्रलक्ष्यः
शोकाद् भृशं शिथिलेदहमतिर्नरेन्द्रः।।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

2022-2023

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : संस्कृत काव्य (पद्य एवं गद्य) — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-108
Course Title : — **Course Code : 108**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

कुण्ठत्वमायाति गुणः कवीनां साहित्यविद्याश्रमवर्जितेषु।
कुर्यादनार्देषु किमड्.गनानां केशेषु कृष्णागुरुधूपवासः।।

प्रश्न–2 निम्नलिखि श्लोक की हिन्दी में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

यदस्य यात्रासु बलोद्धतं रजः
स्फुरत्प्रतापानलधूममञ्जिम।
तदेव गत्वा पतितं सुधाम्बुधौ
दधाति पड्.कीभवदड्.कतां विधौ।

प्रश्न–3 महाकवि बाणभट्ट की गद्यशैली पर सोदाहरण प्रकाश डालिये। 6

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 2

अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः। एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचरचक्रस्य, कुण्डलमाखण्डलदिशः, दीपको ब्रह्माण्डभाण्डस्य, प्रेयान् पुण्डरीकपटलस्य, शोकविमोकः कोकलोकस्य, अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्य। अयमेव अहोरात्रं जनयति, अयमेव वत्सरं द्वादशषु भागेषु विभनक्ति, कारणं षण्णामृतूनाम्, एष एवाड्.गीकरोति उत्तरं दक्षिणं चायनम्।

प्रश्न–5 निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 2

तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान्कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्.गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी–ग्रामीण–ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति, प्रणमन्ति, स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमश इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति, विश्वसन्ति स्म। स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिवटुभ्यामदर्शि।

प्रश्न–6 शिवराज विजय के प्रथम विराम के प्रथम निःश्वास का सारांश लिखिये। 2

प्रश्न–7 नैषधीयचरित के महाकाव्यत्व की समीक्षा कीजिए। 2

प्रश्न–8 निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 2

गुरुपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलप्रक्षालनक्षममजलं स्नानम्, अनुपजातपलितादिवैरुप्यमजरं वृद्धत्वम्,अनारोपित मेदोदोषं गुरुकरणम्, असुवर्णविरचनमग्राम्यं कर्णाभरणम्, अतीतज्योतिरालोकः नोद्वेगकरः प्रजागरः।

प्रश्न–9 विल्हण के काव्यालोचन पर प्रकाश डालिये। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

2022-2023

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं निबन्ध
Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-109
Course Code : MAST-109

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 महाभारत तथा रामायण में वर्णित सांस्कृतिक महत्त्व का विस्तृत वर्णन कीजिए। 6
प्रश्न–2 'रामायण आदिकाव्य है' – इस कथन की समीक्षा कीजिए। 6
प्रश्न–3 संस्कृत गद्य काव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 6

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य

प्रश्न–4 भारवि के जीवन परिचय पर एक लेख लिखिए। 2

प्रश्न–5 'माघे सन्ति त्रयो गुणा' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए। 2

प्रश्न–6 श्री हर्ष के काल एवं जीवनवृत्त पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–7 नलचम्पू काव्य की विशेषता बताइए। 2
प्रश्न–8 अधोलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए – 4

क) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
ख) उपमा कालिदासस्य
घ) वेदोऽखिलो धर्ममूलम्
ड.) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्